Publication: The Economic Times - Hindi

Date: Friday, June 28, 2013

Edition: Delhi

बीमा फर्म्स को पुराने एंप्लॉयीज ने रुलाया

[ईटी ब्यूरो *मुंबई*]

लाइफ इंश्योरेंस कंपनियां अजीब मुश्किल में हैं। इन कंपनियों ने जिन लोगों को नौकरी से निकाला था, उन्होंने उन पर जवाबी हमला बोल दिया है। कई इंश्योरेंस कंपनियों ने रेगुलेटर इरडा को बताया है कि नौकरी से निकाले गए एंप्लॉयीज कंपनी का काफी डाटा अपने साथ ले गए थे। वे पॉलिसी खरीदने के मामले में कस्टमर इंफॉर्मेशन का इस्तेमाल उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए कर रहे हैं।

पिछले एक महीने में कई इंश्योरेंस कंपनियों को कस्टमर की ओर लेटर्स मिले हैं। इनमें पुरानी पॉलिसी से जुड़े मसले उठाए गए हैं। कस्टमर्स ने कंपनियों पर मिस-सेलिंग का इल्जाम लगाया है और मामले को अदालत में ले जाने की धमकी दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि ये लेटर अच्छी तरह ड्राफ्ट किए गए हैं। इन्हें लिखने वाले हाई-वैल्यूड कस्टमर्स हैं। कंपनियों का कहना है कि इन कस्टमर्स को उनके पुराने एंप्लॉयीज भड़का रहे हैं, जिनके पास उनके बारे में इंफॉर्मेशन है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, इंश्योरेंस कंपनियों के फॉर्मर एंप्लॉयीज के अलावा इसके पीछे नॉर्थ के एक ब्रोकर का भी हाथ हो सकता है। वह कई इंश्योरेंस कंपनियों से डील करता है।

'यह कैसे किया जा रहा है? फॉर्मर एंप्लॉयीज कंपनी के कस्टमर्स के पास जाते हैं। वे उनसे कहते हैं कि उनके साथ धोखा हुआ है। इसका मकसद इंश्योरेंस कंपनी को नेगोसिएशन के लिए मजबूर करना होता है।

इस मामले में कस्टमर और इंश्योरेंस कंपनी के फॉर्मर एंप्लॉयी के बीच डील होती है। इसमें कस्टमर इंश्योरेंस कंपनी के फॉर्मर एंप्लॉयी को उसकी सर्विस के बदले कुछ कमीशन देने का वादा करता है।

इंडियाफर्स्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पी नंदगोपाल ने बताया, 'थर्ड पार्टी वेंडर के यहां से कुछ डाटा लीक हुए हैं। कुछ एग्जिक्यूटिव्स ने हजारों पॉलिसी की डिटेल चुराई है। वे पॉलिसीहोल्डर्स को रिन्यूवल प्रीमियम देने से रोक रहे हैं। ये लोग कस्टमर से कह रहे हैं कि वे पुरानी पॉलिसी बंद करवाकर नई पॉलिसी लें।' पिछले हफ्ते कुछ इंश्योरेंस कंपनियों ने इस मामले को रेगुलेटर इरडा के सामने उठाया था।

A Joint Venture of
Bank of Baroda
Legal & General
Andhra Bank